

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

नूकलिका यायुगासनसंस्क्रिता उलबलागस्थेनमः सर्वेदा ॥ वामूञ्ज ॥ १ ॥ या
यश्चनननामिनीतिनयनीउ ॥ इन्द्र ॥ धुक्ता ॥ नानानल्लमुयवडाठवसनरुषाग
हालगीद ॥ इवीकाळ ॥ गगशिहठकवनीयूडोलियागधर्त ॥ नीमिगांनियूनाशनोशुरु
कनीलझासदायाडुन ॥ महालझा ॥ ७ ॥ ॥ केवक्राध्याडि ॥ ॥ अथ ॥ रुया
दि ॥ इनमया ॥ उकार्ये ॥ युगासनसंस्क्रिता ॥ इन्द्र ॥ रुठकवनणी ॥ अक्रमालावखडागिन
गयुषासकाश्वर्क ॥ डीवनरुठ ॥ निनगांवसर्वालकालरुषिता ॥ यनमा ॥ मित्रयादवीसुव
कामोर्थसिद्धिडा ॥ रुया ॥ १ ॥ ॥ अक्रमानुषाव ॥ इन्द्र ॥ रुठकवनणी ॥ सवर्वाल
कानरुषागी ॥ पुतरुठ ॥ विद्रयाशिन ॥ रुठ ॥ रुठकवनणी ॥ ममशकुवि
नाशाय ॥ अग्रगच्छ ॥ मरुहवनी ॥ विद्रया ॥ २ ॥ ॥ हिमउ ॥ पुनिरादवीरुठ ॥ रुठ ॥ रुठकवनणी ॥
अक्रमालावखडागिन ॥ गयुषासपागर्क ॥ अक्रमदवीमारा ॥ माया ॥ इगीदवीन ॥ मायुर्क ॥
अक्रिता ॥ ३ ॥ ॥ अग्रशीयुषासकाश्वर्क ॥ रुठ ॥ रुठकवनणी ॥ रुठ ॥ रुठकवनणी ॥ रुठ ॥ रुठकवनणी ॥

कंससाहिगं ॥ अयनाजिगामरुदवीनमाभियतसंलिता ॥ अयनाजिगाम ॥ ९ ॥ नीलांत्यल
 निरादवीरुमनी ॥ १० ॥ रुकानजी ॥ सकुरुटकसद्वागंगडाहससाहिग ॥ वनडातयह
 कनमामिदखद्यानेनी ॥ रुमनी ॥ ११ ॥ तफकाकनवब्धेरासकुरुटकधनजी ॥ सद्वागंग
 पुहककवनडायाउधनजी ॥ सबालकालरुषगीरुमनीदवीनमाह्मते ॥ रुमनी ॥ १२ ॥
 नीलाकननिरादवीसकुरुटकधनजी ॥ जायमालाससद्वागंगनागयव्यासपाठकी ॥ येन
 स्वविगिनगवनमामिमामरुनीशिवा ॥ भारुनी ॥ १३ ॥ पुष्टेवुडनिरादवीसकुरुटकधन
 जी ॥ जायमालाससद्वागंगनागयव्यासपाठकी ॥ आकषणीसदानोमियुगल्लावनमाह्मते ॥ अ
 कवणी ॥ १४ ॥ ॥ अथ ४४ युगागाड ॥ ॥ उन्मससल्लुकारो ॥ पुयागश्यमहाक
 उवकाणीहसवाहनी ॥ हेमवब्धेनिरादवीवडुडुधनयनी ॥ यरुकाकधनदवीकम
 उलूकपालका ॥ कदमवडुकेमासीनकेगुवालाशिगंगक ॥ अवगजेयापिनीदवीरु
 मालकानरुषजी ॥ सबसानिकनदवीवकायणीनमाह्मते ॥ वेकायणीअशिकंग

तेनव ॥ १ ॥ वरुनकेरुमारुह्यमारुशीदषयाहनी ॥ कुरुकयेनसंकासंनकन
 कुठिलावनी ॥ इल्लाकेविनुमडाह्यमारुलकालरुषजी ॥ कनकवडुकेमासीनरु
 ककेगुवालाका ॥ केवगजेयापिनीदवीमारुशीवर्नमाह्मते ॥ माहेश्वरीनरुतनव ॥
 २ ॥ कालागिनीह्मतेदवीकोमानीशिसिवाहनी ॥ शक्काकविनुमडाह्यवानरुच्योदिम
 निरा ॥ ववगजेकलयदवीविकिनीवडुकेवासिनी ॥ केगुपालवडुनाथकोमानीवर्नमाह्म
 मुते ॥ कोमानीवडुतेनव ॥ ३ ॥ अहहासीह्मतेदवीवेकुवीमकउसनी ॥ शंसवकध
 नीदवीकाद्याविनुकलायनी ॥ वुडनीलयकोकासंनिम्वडुकेनिवासली ॥ केगुपालकाध
 नाकडवगजेलयमहवनी ॥ नेअहोदिगमारुयनानयनीनमाह्मते ॥ वेकुवीकाधतेनव
 ॥ ४ ॥ रुयान्निवमहाकेगुवानाहीमहिषासनी ॥ अशिमनीनवनीदवीविनुकापालह्मडनी ॥
 कलिगामिमहाकेगुअह्यवकेनिवासीनी ॥ केवगजेलयसहृगानकागीकोलरुयिनी ॥ उ
 न्मतेकेगुपालकवानाहीवनमाह्मते ॥ वानाहीउन्मतेतेनव ॥ ५ ॥ केगुवनितया

हि विन्द ॥ केशादि मूढमाला नितशत नृगंय क्रन क्रानमर्क ॥ नो मिश्री उल्लन रळ वद
 लसस्य कार्कशं नव नव कयादं ॥ एकपाद तेन व ४ ॥ १ ॥ पुनरुल्लं पवन कुंड शक उरु प
 नेश्वर नव ण्डो नृणां ॥ इक्ष्वाकु वसुधांग मसि पतक न शक्ति इल्ल स काय ॥ वाम काद उ
 मूढं पुन नयि नियतं सट कं वाश विन्द ॥ केश शोभा मन्त्र यत्न यन यन न नृत्त मानं नमै क
 शो मन्त्र यत्न व ४ ॥ ८ ॥ इधाम मूढा दिरुषं विधिवद नव नव कव कुं छिने नृत्त ॥ सज्जं वरु स
 इक्ष्वाकु कन विदि न वाम रुट वक्ष्ये स ॥ केश शोभा टका स्थि तुद्र गम निरुणा लं कन रळ पति
 ॥ नाना माया नितं नृत्त सकल पुनि न नृत्त मानं नमामि ॥ हाटक तेन व ४ ॥ १० ॥ हं सांग
 रळ मूढी तं यन यन नव नव वद रुळ कव कुं ॥ सज्जं यत्न सट कं पतक न सहितं रुट कं पूरु वाम
 ॥ नाना लंका नय कं नवल यन मकं नव नव कुं वालं ॥ वीरु रळ नृत्त मानं पुन यत्न नव नव रुट
 देव नमामि ॥ अचल तेन व ४ ॥ १० ॥ सद्ये वाम वम मण्य सकल यत्न मरु मन्धरा सन्ये तेन व
 वन्द्यो यत्न यत्न यत्न यत्न सकल यत्न मरु मन्धरा सन्ये तेन व ४ ॥ नकाद ३ शुक्र कोद ३ पिरु वन क मरु म

[illegible]

थावनदरुलञ्ज विरिक्थनवनमादकसाक्षेष्टः ॥ यायदवागणयति ॥ सकलाथेदना
 गणयति ॥ ३ ॥ त्रिष्टुष्टानाथनवयादयुगनमामिवह्रिसनाथवननाम्नकवपयद्य
 मेदिशनाथशिसमञ्जनमानदकलैसाद्विदवगुनकेशननमामि ॥ त्रिष्टुष्टि ॥ ५ ॥ य
 लङ्गता निधिसहस्रमानवन्न ॥ सतिस्तुतकलिशयकजवक्रम ॥ ध्याननननवन
 वात्मकजदिकेश ॥ तस्मै नमामुगुनयसगनं शिनाय ॥ गुरुमण्डल ॥ ८ ॥ निज्जाव
 धीसकतीर्थरुलेनदृष्टे स्वयं यज्ञवत्सुसाहितयुष्यमाला ॥ यज्ञवृक्षाह विषयमनि
 हि ॥ यस्तत्तुतकमूलिशिवशक्तियुगनं नमामि ॥ केश ॥ ९ ॥ निज्जेनमामिगुनयैकि
 मष्टानसमशुद्धाद्यसिद्धिसकलानयिमानवाद्यान ॥ यत्नाशक्तवननयकजलेनूपयस
 याप्यतेतिदिशिमण्डननाङ्गलञ्ज ॥ गुरुयकि ॥ १ ॥ तस्मान्वायनविषमाहविदष्टकना
 सजीवनायरुवतयनिवहिसुत ॥ तस्मै वनासशाशि ॥ शिवनदहयमि विस्त्रिचनयमिह
 तद्विस्तददाउ ॥ डावधी ॥ ८ ॥ दिक्काविचकलसकिनालसवापवव्याखिवेदगंय

यमकागिनिनाङ्गयुत्था ॥ त्रिष्टुष्टकदावनवयावनउरुमननामोवदवधुनसितिक
 षनाथ ॥ डावधी ॥ १० ॥ हन्सल्लिगसनिकमण्डलसाक्षेष्टननोममल्लिककुल
 मावहन्नि ॥ याकावनारुलुरुकेशनिधिगलारुवाङ्ककनाडमम ॥ साधुतमगीलाय ॥ व
 द्वायणी ॥ १० ॥ वद्विष्टुष्टुपीगङ्गादिक्कधुनकानि ॥ शक्ति ॥ त्रिष्टुष्टलशाशि ॥ शिवरुठाकल
 य ॥ नगुनयविदयानिवधुनल्लिगयामारुध्वनीरुवउताधुनमगीलाय ॥ माहवनी ॥ ११ ॥
 सिद्धनयसहसाद्यकिमावहन्नि विद्ययुक्काशयतिमासगनदधनो ॥ मायनकासनस
 मल्लिकवानरूपीकीमानीकारुवउमैधुनमगीलाय ॥ कोमानी ॥ १२ ॥ गात्रमागद्यति
 निरागनृतासनसमूहिनयकदमस्त्रिनवयैनिनाया ॥ शंसाशिवकगठयाकिनेव
 नहलाधीवेष्टुनीशनल्लिगसदयसबा ॥ वेष्टुनी ॥ १३ ॥ उरुल्लुकिंशुकदलावि
 कनककानिधानाकिधानक ॥ १० ॥ नानकोलवक्र ॥ मीनासियाशवलयाकिनेव
 नहलावनहीकामहिषयान्नगनंनमामि ॥ वानाही ॥ १५ ॥ वेष्टुल्लुकीवहन

[illegible]

कमपदनिहितापाडुनित्यकमाद्य ॥ कर्म ॥ २० ॥ याकाष्ठाभानकाक्षवडुङ्गसहिता
यचकल्लाडेवनंश्री। शेषकणसल्लगदनुयनिगकावायिकाणिवडुस्का। याम्पक
समभानननेनयनगतायावडुस्कादेकीगीसाहाविसानिहेंकमकुलसहिताया
उद्धागिहवडु। ॥ कर्म ॥ २१ ॥ माध्यामीकाणवडुकाणिवेस्किर्नवकदाकममृदलय
कर्ममृदु। ग। दानवडुसिहगेमिकुर्नवनिनार्गवकमकुलमहेश्वर। ग्रय। ग्रयामि ॥
२२ ॥ ॐ क्काङ्कानिकियाशासनवननमिगाधीरुयामर्गलाङ्कासा। गीनीसावडुगीरुगन
वसुधामाहकायममिष्टा। सावाङ्कीसावविद्धगुहगणनमिगातेनवीकुरुवालोसानका
नेककुर्याविविधगुणरयायागिनीगोत्रमामि ॥ गिरसु। ॥ २३ ॥ यीमाकालस्यवधु
वडु। शाय। शान्वामस्किगायासासुर्यसरुयकादिर्नरुवडु। शाविश्यकमूडाकला
यसकास्यदशाष्टयागिरवत। सवायुषावडुति। सधीमानववदोऊनानयादिसा
नित्यापनानदिनि ॥ २४ ॥ डकुदिष्टिमयत्यपाणियनहु। दानंरसर्जकृशवडुशसिन

भावनं जवनदः सलग्नं नृत्तिकनं । यत्तुल्यद्वोगे छिन्नलवापरुलकं काद्यसंघज्जलथाय
 शंवारुययानिकं वसंतं मारुतं नृत्तिकनं ॥ २८ ॥ यद्देवन्वतज्ञानूनारसनवृक्षादवीचः
 तिरुहल्लिगसां मया परुनं महातयनं संज्ञानं कुंदं गुनं । सार्यं पाडुकं लेखनं कलगुनं
 शक्तिनोथाश्चिवाः । वमार्थं भवनकाममाद्रुयुदतन्तुल्यं कोनान्यकं ॥ मूलस्थानं ॥ २९ ॥ इयं
 मानकाग्निनेत्रा रुनरुनणमितामरुमाद्रुगगामिविम्बाश्चिवा नृगयथनृनयना
 मखनाननसंज्ञं । देवाः धीनमुसांते वनवनजसुमववर्चनं केशरावक्ष्यमं श्रीकृत्तिका
 काविकनुतुसंगं रं रं रं नदिद्यौवमाय ॥ मूलस्थानं ॥ ३० ॥ कालवालकपालमण्डलग
 लिगवालीलिमालान्वितं कल्लिखितिकालं कुरुनं कं कालविष्णुधनं । नृदं
 शिवसासनं कं निपनं रं विष्टमासासिनं रं वन्द्यं रुगडं कवं दिगपदं धीरुगवालवदं
 ॥ ३१ ॥ रुगवावदं ॥ ३२ ॥ रुगजामाविपत्यसकलरुगं नृनं नृवाविशाकल्लं गणं गणमरु
 उ४ सकलकलगुनं रुनवक्ष्यकं रं रं । आनन्दविश्वनाथं कनकनसगुनितं ४ वदु

॥ निगुणेश्वरत्वादि न च यः ॥ विरुगणसहिताग्राहिमां कुरुवाली ॥ २० ॥
 या भिन्याकामरुपा सकलगुणरुता न क काल स्वनातामरुं क कालमालागलटगल
 ६ टिनक वरुताकनिर्या ॥ लिंगं वा शंकवाला सिनम विविधं कि सुसुता सुयसत्रा रुक्म
 नमाधकानामरिलषितवर्तु ॥ अयमानायसत्रा ॥ यागि ॥ ३० ॥ वामगुणवर्तु च वापकाट
 कदशनाद्यानडं कनाला नीडानिमान्सद हाकलित शिस शिसाकाल के शी गिनं ग
 द्यानां मधुमालाह निगणमणि किश्वकिरु विगंगा सवंगा द्यष्टरुता गुसडममनिय
 याद्वितापतसंख्या ॥ वामगुण ॥ ३१ ॥ वामध्वजाधनिता सुविमलवकु ससिंधु वानिसुनाकि
 ४ पूरुं वडां कय कुरुगगणसुवसनवा शितं क्वादि तं वे ॥ संपाप्यसोपदं व सकल कल
 गी नीडकि ॥ कलन कल्यो के न ल्यमानो विद नित रुननी विधि विन्दिग ॥ गणश ॥ गुक
 ॥ ३२ ॥ ३० निवधि मरुका माराय सक मरुति सभाय ॥ ॥

[illegible][illegible]

नोमिता॥ यथासु। नीलं शीमूतलच्छेदित्यनयनधनोवाद्यैर्यैर्वाकिं शीतमात्रोवालवद्धं
यललपककनोहालमालादिरूपं निमोसिभुक्कददशनसाशनितावाद्यवमोकाठिमुक्तं
श्चठनडकयसकलहर्तनीमिवेशवनाथ॥ इतस॥ भुक्कागीकाठनाकीरुगीयस
नयनीदोपीवमोगीवीनोहालालकालरुषाप्रखननसकनोधनयदनुमाला॥ इहाड्यनकया
नमनननिरुक्तनरुषाणीरुषाचक्रदेवीवेशविनीर्वायुजमकसकनंतासदाशीरुवानी॥ देवी
स॥ वयाड॥ त्रवीर्गजनमहाननधनयुशासनानरुलाज्ञनाथानिमहावल्लारु
ठननकिवीनगामानिद॥ सायवाद्यसनिनरुषावमधनरुमकलवनिनाकाम्यनृगीनिड
गंजमसुसइशीरुमना॥ जश्चन॥ मागोर्गोदवर्तुगोसनननवर्तवकवक्कादिमादि
वालशायोदवानासकलशिनमयवाइकानीरुयामा॥ नमदसविनाकपवठनिसमयद्रव
कादशमानइक्षयकिंयिकानाविदनिगसहवालोमनाज्ञानमांमु॥ निमालुतामसनाय
इक्षकिंयकमानपयथमगेलडायाडगुगिनिनिदाशन॥ मलदस॥ शीमूतनिम
सदहाडलकिलवचनभुक्कावमोथिर्यडक्षवकलार्नयललवलिगंठल्लनड्यनय

रुक्ककथोदिमालाथिगधननविलंयिगदवश्यनोमिनित्यरिमसवासाहिरुयहननर्क
दनाथंयिज्ञान॥ इतस॥ भुक्कातिमोसइहाडगुममजुननिराकाठिविदुयुतासायका
रुसूनरुक्कदिकलिशमनडापुधुकावकुराना॥ रुक्कधक्कागमासयुषलकनरुहवीरुवडस
दाद्यदेवीवीशाविकार्यासकलरुयहनीर्तानमरुठनाथी॥ देवीस॥ रगवर्तीस॥ गल्ल
ध्याकठिकरुहनिगनूगमनीमारुषरुक्कयाय॥ रुक्कयामीकनाताशुरुवदनवनाप्रकवक्का
जिनगा॥ इहावामकनाखावसुदशसुडयाहमननागिरुषिननोमिशकिंरुयिगिरुवनन
ननीयाडनाडगवणी॥ नाठश्चन॥ भुक्काशिकसभुक्काठिकमनिमयरुठकयूनकाकि
याजायस्यगिरुलंठमककसदिगंवारुनी॥ शिवकुशा॥ नागयक्षायवीर्गोहिरुकुलरुन
रुषमालादिरुषंवाद्यवमोकाठिमुक्तनननसविजयनोमितित्यश्चन॥ यदकेश्वनास
यादेवीननवर्तवक्काजकनिराशीकठवक्काप्रयाहाकिरुयामवगानिगगिनयनार्ककालवीरु
हव॥ नागुरुदेववासनीरुगानगीडावधुयागश्चनीयायाववयनमश्चनीविनननंशोड
वीरुक्केश्वनी॥ अनलं॥ सवक्काविनाथंवक्कमयिकलंनिरुलंनि

[illegible][illegible]

वक्राक्षं व विष्णु मति यमुपमा त्वं नमो त्वं दसाम त्वं वायु त्वं चमग्रि त्वमायि दिगयति ला म
पालादि सर्वे । त्वं वाम त्वं वषाणि गरुन गिनि गुह्य त्वं गाणे शकुमानं गंगी त्वं गोपिल आस
कलजनपितृ नो मित्र ह्येयु न श ॥ ॥ खल्वेकाने ईश्वर मई वयाति ॥ हृते ॥ पुते ॥ विशाव
गजपति वड के मारु काया गिनी रु ॥ कृष्णादे नाद्रु सद्यसकलयनिक नारी वडनी वनाने
युक्त ॥ के गे श्वना इयवण सूत गणे लाकपाली गणका ॥ साणीयादि सम के रु निरुम विधि ह
॥ श्रीशक्ति शर्वे नु नो मि ॥ ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

नमः॥ विमः॥ श्रीकृष्णाय नमः॥
॥ इन्द्रासर्गवर्धनः॥ श्रीशिरसा
नाथमयाविमर्हः॥ यद्वन्नायधीम
हेतुः श्रीमद्वयदादयागः॥ सर्वचा
कस्येकममगिउल्लुङ्गयकपिब
॥ पुष्पिगसर्गे॥ ल्यिकोऽमगिउ
॥ सुसुनय॥ यद्वन्नायधीम
उत्सासनयादुर्गे॥ भूतक्षु
रिगदुर्गे॥ यद्वदाय॥ नल
॥ श्रीश्रवणं नवमित्थकैः श्रव
द्वीष्ट्यशक्तिका॥ इन्द्रकोऽश्रव
रासिपदकैः श्रवणायश्चनमोमु
॥ अगुगान्धदि॥ नृणां श्रवणाय
नैविधि॥ अक्रमा॥ मयः॥ आर्द्र
स्मिन्वन्स्मानिसाधनं॥ नृं
दुः॥ अस्मायक॥ ल्पिनकय
॥ नृं श्रीशिरसस्त्राहा॥ मस्य
नृं॥ नृं श्रीकृष्णाय नमः॥ आ
र्द्रस्मिन्वन्स्मानं॥ आर्द्रस्मि
नृं॥ स्मिन्वन्स्मानं॥ नृं
दुः॥ स्मिन्वन्स्मानं॥ नृं
शिरानस्त्राहा॥ पुष्पाकोकय
नृं॥ श्रीशिरसाय वीधद॥ उद्भन
सगयालावनना॥ नृं॥ अ
यद्वद॥ स्मिन्वन्स्मानं॥ नृं
नृं॥ श्रीकृष्णाय नमः॥ हिरसाका
यद्वन्नायधीम॥ नृं॥ श्रीशिरस
ला॥ हिरसा॥ सर्गे॥ नृं॥ श्रीशिरसा

यथापद॥ केलाय॥ नृं॥ श्रीकृष्ण
वारानमः॥ वन्स्त्रासर्गे॥ नृं
दुः॥ अस्मायक॥ ल्पिनकय
नृं॥ यद्वन्वित्थकैः वानयनं॥ ल्प
ष॥ यद्वन्॥ इन्द्र॥ वाक्कु॥ यद्वान्को
थययन्स्त्रासर्गं॥ वन्स्त्रादि
यद्वन्॥ नृं॥ श्रीकृष्णाय नमः॥ नृं
मद्विन्नमः॥ नृं॥ विद्वन्मिन्न
नमः॥ अगुगान्धदि॥ नृं
कृष्णाय नमः॥ आर्द्रस्मिन्व
नृं॥ स्मिन्वन्स्मानं॥ ल्पिनकय॥ नृं
दुः॥ अस्मायक॥ इन्द्राशिराद्वान
नृं॥ नृं॥ श्रीकृष्णाय वीधद॥ मग
मगनगानं॥ यद्ववान्स्माधन
नृं॥ श्रीकृष्णायक॥ ल्पिनकय
य॥ नृं॥ श्रीकृष्णाय नमः॥ यद्व
नृं॥ श्रीशिरसाय वीधद॥ यद्वन्
॥ यद्ववान्स्मानं॥ यद्वन्स्त्रा
यन्स्माधाय॥ दवस्त्रं॥ अग्निया
नृं॥ गोमयनिर्गयाग॥ ॥ इ
वयुगि क्कानस्य॥ यद्ववान्स्माध
नमोना॥ ॥ यद्ववान्स्माध
नृं॥ श्रीकृष्णाय नमः॥ आर्द्रस्मिन्व
यनं॥ नृं॥ श्रीकृष्णायक॥ ल्पिन
नृं॥ नृं॥ श्रीकृष्णाय नमः॥ इन्द्रा

क॥ द्यु० ग० रा० ग० श्रु० ग० ३॥ ध्वन
रुद्र न० ग० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥
न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
इ० खि० क० ग० खो० ॥ ग० य० ॥

॥ य० म० ३० ॥ य० म० ३० ॥ य० म० ३० ॥
क० स० य० वा० क० ॥ अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥
अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥
य० म० ३० ॥ य० म० ३० ॥ य० म० ३० ॥
रु० द्यु० ग० रा० ग० श्रु० ग० ३॥ ध्वन
रुद्र न० ग० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥
न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
इ० खि० क० ग० खो० ॥ ग० य० ॥

ग० ग० न० क० र० स० ध्वन ॥ न० ३० ॥ स० ध्वन
ग० य० न० म० ३० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो०
य० न० म० ३० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो०
म० ३० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो०
३० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो०
खो० ॥ ॥ न० ३० ॥ स० ध्वन ॥ ग० य०
रु० द्यु० ग० रा० ग० श्रु० ग० ३॥ ध्वन
रुद्र न० ग० ॥ न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥
न० ३० ॥ अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
अ० ग० य० खो० ॥ न० ३० ॥ अ० ग०
इ० खि० क० ग० खो० ॥ ग० य० ॥

आहं निविद्या ॥ धनं ह ॥ २३ ॥
यथैव न शान्ते ॥ म ॥ नमो
नयस्ते ॥ दोषपथे ॥ २४ ॥ रेका
या लोकपाला ॥ २५ ॥ नवसिमा
साग ॥ नवसिमा ॥ नवसिमा
शागरवज्रकाशिनियमो ॥ २६ ॥ युगे
नो ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ लोकोत्सवः ॥ ३० ॥
३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥
३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥
४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥
४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥
५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥
६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥
७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥
७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥
८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥
९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

मम ॥ यथा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥
६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥
१३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥
१९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥
२५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥
३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥
४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥
४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥
५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥
६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥
७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥
७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥
८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥
९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

मम ॥ यथा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥
६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥
१३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥
१९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥
२५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥
३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥
४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥
४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥
५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥
६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥
७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥
७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥
८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥
९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

शोभे आशा की नयाद को ॥ चन्द
 न ॥ सिधुन ॥ इक्षाम ॥ गोप्य च स
 न ॥ निने नकाकाकाकाकाकाका
 काय ॥ आशा अम गव गो ॥ इक्ष
 स्वश ॥ किखे पनिवान सदिग
 याव न पद व गोप ॥ याश्चिम मल
 अक्षमना विप ग यश्चाशा राय नि
 मला के ज रा ॥ ६६ ॥ श्री इक्षम मल
 रे न चो यश्चावाना हो प ना भ्या ॥
 को न याद को ॥ निने ले के सिधु
 क को ना य याद को ॥ वलि ॥ अ
 न चोदि ॥ ७० ॥ नि य स्थिम स को
 न च को ना वि वि ॥ ॥ अथ ॥
 इक्षम स ग ॥ अक्षम क ॥ निक्षम ॥
 को ॥ श्री गो ॥ अक्षम का य याद को ॥
 यने न ॥ सिधुन ॥ इक्षम ॥ न स
 क खान ॥ निने नकाकाकाकाकाका
 शान क या द या ॥ इक्षम क म लो ॥
 न गोद वा ख ॥ किखे प नि व
 न सदिगा य उ व न द व गोप ॥
 इक्षम मलाश्चम शाना विप ग यश्चा
 शान का म म लो के ज रा ॥ ६६ ॥
 शोभम लो न चो यश्चा वाम भ्या
 नाभा ॥ इक्षम का य द को ॥ नि
 ने प ॥ ना स ग ॥ अक्षम का य याद
 गो ॥ वलि ॥ अक्षम अक्षम ॥ ७० ॥
 इक्षम गो ॥ अक्षम क य को ना वि वि ॥
 ॥ अथ ॥ सथ ॥ सथ ॥

[illegible]

कोलकनिःकृत्वा स्थितिं शिरोरुने ।
 एकोलमासमकं सुरुते
 न्यथा ॥ सिद्धां मासोभनं
 उच्चदधिरस्युगयलकोलान्न
 होमनक्षालिकेष्टलसाधिनः ॥
 गृहस्थिस्त्रिमासवेष्टसकृन्वा
 न्दपेयकोयथमकविषिनाह
 वावाक्त्रिमिहमवाप्युग ॥ अ
 गुगन्मदि ॥ ७ ॥ अथमासाह
 दय ॥ सगर्भकं ८ ॥ मूलकं ८ ८
 ॥ ८ ८ ॥ अथमासाह १० ॥ वृद्धो
 दि ॥ अक्षिमासाह १० ॥ वृद्धो
 १० ॥ मूलकं मूलमनुनेत्रना ॥
 सगर्भकं यत्रयलमनुनेत्रना
 दना ॥ अथमाक्षिना अक्षि
 नयुक्तं ॥ वृद्धसंक्षानं ॥ वृद्ध
 ॥ सिद्धना ॥ अक्षाना ॥ दिष्टिनि
 ॥ कच्छेयगाका ॥ यच्छेयगाव
 ॥ काश्चाननकृत्वा ॥ यच्छेय
 नासथमं ॥ काश्चकावदयय ॥
 होमायाजसन्नालिनथमसाव
 कोमं ॥ अक्षानावसं ॥ सवल्स
 वसं ॥ अक्षानावसं ॥ सवल्स
 सं ॥ मयादागिन्मृदमं ॥ दाम
 लयजहोपायुक्तं ॥ सगर्भकं
 ॥ मूलकं मूलनदाय ॥ ॥ व
 दयानिदाय ॥ दाय ॥ विवध
 नदाय ॥ मूलमनुन ॥ नवल
 अक्षेदाय ॥ यवलायवसेदा
 य ॥ अक्षेदायवसेदाय ॥ यव

एखन रेदाय ॥ भयाद ॥ भिं लं भव
 दाय ॥ शिलेका डावरवाल यमम
 वकने ॥ निवान अह्मा मके पा
 ने ॥ मूलमनुन शिलारु निवृत्ति
 ॥ वाक ॥ ॥ नरेडिश्वा निधि
 जगणवद कसक या निनी के
 पानि थंदि ल्या मवेद ना शराणा
 एयमं महु ली विन्दु वकी ॥ आक
 यक चय प्रवृत्ता अग्नि वलि सुदिग
 यक पाणि नयु के सेनु को सवे
 देवा अजिना भस्य यमं पाठ के
 वचना दो ॥ साहा ॥ यक भनाय
 वयव दिगरे सक पाया ॥ युधाद
 समय विद्य ॥ ॥ अथ यव
 भन्यादि ॥ यश्च ॥ खानेना ॥ ठना
 ॥ वादि मश्च कन दाय ॥ यज
 धन्य ॥ नारा ॥ अश्वा दशा समिध
 पाया से ॥ द ॥ पादन ॥ उडादन
 रामीन ॥ न के नाम ॥ यक दाय
 ठिकठ ॥ ठिकठ ॥ यक के धनये
 मके दान ॥ यक किल ॥ न के गिले
 समर ॥ समयमा ॥ यिरोड ॥ अउदि
 उजुलि ॥ चर ॥ नउदि ॥ ऊंक्रम ॥ क
 प ॥ मूल ॥ रुले ॥ ० ० ० ॥ गाम्भन
 यकाने ॥ इवापेय ॥ इवा केन
 इय ॥ मिशान को मय ॥ ॥

३॥ यथा मनुमनु शक्यारु ॥
०॥ त्रयल ॥ येनोदि विवि ॥
॥ अथ यथा शक्ति सिरया क्रुति ॥

॥ अथ ४३ शावागर्न ॥
थलथलदिसा रानि नदवर्क
विय ॥ आरुति ॥ इदमद्वि
य ॥ नैवेड्डुल खखो ॥
धनविद्य ॥ यखो ॥ गेक म्मोधा
वैश्वानरे वशीनसुनगामरु
यगादिसेवे ॥ लक्ष्मीश्यामन
गादवनकवनगामाशोवसि
अरुजो ॥ यथा नभयमा
इदं नयग शकला चानेमा
असख्या ॥ नैवेड्डुल निगळे
किवधनमरुति शानिकाय
हिकोथो ॥ ०॥ निदं श्यागिनी ॥
विधि ॥ ॥ अथ ४३ शिवलिपु
नर्न ॥ नदं व ॥ अथ माटको
॥ अशिलागिदि ॥ यियागामिदि ॥
इदं कोदि ॥ अशनादि ॥ वनि
श्यागिनी ॥ वडवसि यानि
नी ॥ मरुवा विद्युदान ॥ अरु
न ॥ यथविषा नैवेड्डुल निपु
न ॥ यथदीप ॥ नयसि ॥ वनि
नियानि ॥ आरुति ॥ यखो ॥ व
निसिधियार्को ॥ ३॥ यखो ॥ नि
यसिमाननशिवा ॥ सद्योदिगा
वाशिगा ॥ अशेसावठ रग ३

उनेरु नमानरुने मन्ना ॥ य
४३ मन्ना नखनमादिदवकुश
साकोदि ॥ इत्यापहानिया नन्द
यानमामिसगं वख्यादि विवि
॥ ०॥ निदं श्यागिनी विधि ॥

अथ ४३ शानिके कपुष्टिक विद्य ॥ म
न ॥ नैवेड्डुल क्रुति ॥ शिवकुन्म
इदं नवायशानिके यथा रू ॥
आरुति ॥ नैवेड्डुल सवेड्डुल नि
इदं वखखो ॥ यखो ॥ ३॥ श
निधननक्रुति ॥ क्रुति नयिगे
यथा शानिके नञावषाश्वदि ॥ इदं
वादि शानिके विनयि वनोव
क्रुति ॥ इदं शानिके ॥ वानस्य
यथा शानिके नञाशानिके निदं
वसादिगसवे ॥ शानिके यथा
यथा शानिके नञाविनाशानिके
क्रुति नयथा ॥ शानिके यखो ॥
अथ ४३ यखो ॥ नैवेड्डुल क्रुति ॥
शानिके नञासमलाने नञाया
क्रुति यथा ॥ आरुति ॥ नैवेड्डुल
कुचनानि ॥ नैवेड्डुल यथा ॥ य
क्रुति ॥ नैवेड्डुल यथा ॥ यथा
रुनि विवि क मन्नाया विनि
मरु विवक्रुने मन्नाया मन्ना
नदयवा मन्नाया मन्नाया
नैवेड्डुल यथा ॥ यथा ॥ यथा
गामेयगामवेडादि यथा ॥
यथा ॥ यथा ॥ यथा ॥ यथा ॥

हं नमः शिवाय ॥ वाङ्मयक मन्त्रायै वरु विविन विना नोड विना रि ॥ नोडो को मा
नीरु हि कामा यिन ड मय मयै वेरु वी गायमाना ॥ वाना ही वा डय नी य ड नय ग हान्य
माना य ॥ थंडी ॥ वाम धा वाय ल अ ह न गण सहिता मा नो न्य पु न रु ॥ १ ॥ गणय की श्व
न म्मा विधि ना डो विनाय क रवी यरु महा नै राम हा वलय ना के मा महा ड न महा काय न के
डं हा ग कान ना ॥ ख ग व छे महा डि फि विन नै गण नाय क ॥ अ रु माला सु ड न के क र डि
ला क न स ॥ लि के य न स मा ड क पा न के वाम ह रु वि ध न ग ॥ नाना य ध न ना ड वी ना
ना ग न्ध न मो य ना ना गे रु ह्य वि डा गी नाना वि धि वि ना ध नी ॥ रं वो स न मन स्या ना
सि डि ग न्ध व वि ना गे लो क वि धि क न्ध स्व म हा नै रं न मा रु न ॥ २ ॥ वृद्धो ना व रु
सा नि यो व रु न व नि वे ड नी ॥ व ड ड ना व ड वे को य ड व ड य ना य जी ॥ व ड ड श ड व वा
पी व ड य ग य ना य ना ॥ हं स य क वि मा न रु सा मा न्द्र यी पि ना म ही ॥ य रु क डो य मा

ली व न न रा रु य धा नि जी ॥ यो ग य ध न ना ड वी पी ना गी पी न व लि जी ॥ वा ना य हा न र
डे हा वी क ग न्ध न ले य नी ॥ ड र् व न क ला व ल्ल पु या ग के रु वा शि नी ॥ य र्व वी ॥ रि रि
नि र्व व रु श कि न्ध मा रु न ॥ ३ ॥ मा रु श्व नी मा हा ड वी मा रु मा या न न रि नी ॥ मा हा
वृ ष मा रु डा मा हा रु कान ना रि नी ॥ हि म मू का नि हा ड वी क पा ल श शि ॥ श्व ना ॥ रि लो च ना
रि रु ली व सा के स रु क म ड ल ॥ ना गाली रु क स र्वो गी ड रि ॥ ज न व न य ड ॥ रि रि रि रि
वि ना शा यै स र्व या यी मा रु श्व नी ॥ यो ग य ध न ना ड वी ॥ श्व ना गी ॥ श्व न व लि जी ॥ मू का ली क
न स र्वो गी स र्वो ली कान रु धि ना ॥ वाना न श्व मा रु के रु गाल रु कान रु वा शि नी ॥ आ ग य स रि
ता यी ॥ मा रु श्व नी न मा रु न ॥ ४ ॥ वाल ला व मा रु नो डो को मा नी न क लो व नी ॥ न क
व रु य नी काना रि रु ना रु ण वि गु हा ॥ व ड ड ना श कि रु ल सि धि या रु ध नी रु हा ॥ न व ड
लि ग य आ स र्वो रु न ग म धि ना ॥ को मा नी य न मा श कि म य न व न वा रु नी ॥ न क य ध न ना

